नैया मंझधार मेरी | By Mukesh Bagda

नैया मंझधार मेरी टूटी पतवार मेरी
बन के तू मांझी आजा श्याम मेरे

बन के सहारा मुझे पार उतार दे
बिगड़ी ये ज़िंदगानी इसको संवार दे
नैया चलाऊं कैसे पार लगाऊं कैसे
बनके तू मांझी आजा श्याम मेरे

आता नहीं है मुझको तूफ़ान से खेलना
वश में नहीं है मेरे हिचकोले झेलना
आशा टूटेगी मेरी नैया डूबेगी मेरी
बनके तू मांझी आजा श्याम मेरे

कर के दया मुझको भंवर से निकाल दे
बनवारी नाव मेरी किनारे पे डाल दे
होगा एहसान तेरा करदे कल्याण मेरा
बनके तू मांझी आजा श्याम मेरे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%9d%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-mukesh-bagda/